Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-605

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

B.A. Darshan, Semester : Sixth

संस्कृत : प्रश्न-पत्र : पंचम

संस्कृत साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. श्रीमद्भगवद्गीता के अष्टादशोऽध्याय का परिचय देते हुए किन्हीं पाँच श्लोकों को अर्थसहित लिखिए।
2. श्वेताश्वतरोपनिषद् के द्वितीय अध्याय का सार श्लोक सहित लिखें।
3. बृहदारण्यकोपनिषद् के द्वितीय अध्याय में वर्णित "याज्ञवल्क्य-मैत्रेयी संवाद" को संक्षिप्त में लिखें।
4. त्रैतवाद का वर्णन श्वेताश्तरोपनिषदानुसार करें।
5. "अहं ब्रह्मास्मि" को बृहदारण्यकोपनिषदानुसार अपने शब्दों में समझाइये।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. श्रीमद्भगवद्गीतानुसार सात्विक कर्त्ता किसे कहते हैं? श्लोक सहित समझाइये।
2. श्वेताश्वतरोपनिषदानुसार प्राणायामक रने का स्थान कैसा हो? श्लोक सहित लिखिए।
3. बृहदारण्यकोपनिषद् का परिचय लिखिए।
4. ईश्वर का स्वरूप अपनी पाठ्य-पुस्तकानुसार (उपनिषदानुसार) लिखिए।
5. सृष्टि उत्पत्ति का कोई एक प्रसंग (श्वेताश्वतर का) लिखें।
6. "सर्वधर्मान्परित्यज्यमामेकंशरणंव्रज" इस श्लोक की व्याख्या लिखें।
7. "तिलेषु तैलं दधिनीवसर्पिरापः" के भाव को स्पष्ट करें।

----------X----------